M.A. Sanskrit

एम० ए० संस्कृत

Syllabus

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Duration: Two Years
Eligibility: Graduation

2017 Onwards

DEPARTMENT OF SANSKRIT

CH. DEVI LAL UNIVERSITY

SIRSA

July 04, 2017

— 130 —

8

प्रथम सैमेस्टर						
S.No.	Core	Paper Name	Credits	Theory	Internal Assessment	Total Marks
1	प्रथम पाठ्यक्रम	वेद एवं वेदाङ	4	70	30	100
2	द्वितीय पाठ्यक्रम	व्याकरण	4	70	30	100
3	तृतीय पाठ्यक्रम	सांख्य एवं न्याय	4	70	30	100
4	चतुर्थ पाठ्यक्रम	पद्यसाहित्य	4	70	30	100
5	पंचम् पाठ्यक्रम	भाषाविज्ञान	4	70	30	100
		वैकल्पिक पाठ्यक्रम				
5	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	व्याकरण वर्ग व्याकरणशास्त्र का इतिहास	4	70	30	100
6	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	4	70	30	100

Total credits required: 100 -112 (one credit = 1 hour)

Minimum attendance required : 75%

Open Elective: minimum credits required: 10-12 (students of this dept. will opt. for open elective from other departments.

Students must submit their option for open elective course(s) within a week after the commencement of classes of first semester to the Chairperson of their department/Principal of the College, For 2nd /3rd/ 4th semester, they must submit their option for open elective course(s) at the end of 1st/2nd/3rd semester, respectively.

The continuous evaluation for theory and practical course shall be as under:

(A) Theory Course Component	Weightage (4 Credits)	Weightage (3 Credits)	Weightage (2Credits)	Evaluation
Mid-term Exam	20	15	10	Internal
Assignment	05	05	05	Internal
Class Attendance	05	05	05	Internal
End-term Exam	70	50	30	External
Total	100	75	50	

Mid Term Examination: From first II units; October1-10 for odd Semesters and March 1-10 for even semester

The students must obtain at least 40 percent marks in external examination.

July 04 2017

M.A I Sem.
Paper – 1st (CC)

वेद एवं वेदाङ्ग

समय : 3 घण्टे | Marks : 70

घटक –I ऋक् सूक्त – 1. अग्नि (1.1) 2. विष्णु (1.154) 3. इन्द्र (2.12) 4. रूद्र (2.33)
5. उषस् (3.61) 6. पर्जन्य (5.83)

घटक –II ऋक् सूक्त – 1. सोम (8.48) 2. अक्ष (10.34) 3. पुरूष (10.90) 4. हिरण्यगर्भ (10.121)
5. वाक् (10.125) 6. नासदीय (10.129)

घटक –III निरूक्त (अध्याय 1–2)

घटक –IV ईशोपरिषद्

दिशानिर्देश : कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रथम प्रश्न लघूत्तर जिसके अन्तर्गत आठ लघुत्तर प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जाऐंगे। जिनमे से पाँच का उत्तर देना होगा। 10

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक –I	(क)	चार में से दो मंत्रों की व्याख्या	2x5= 10
	(ख)	दो में से एक प्रश्न	1x5= 5
घटक –II	(क)	चार में से दो मंत्रों की व्याख्या	2x5= 10
	(ख)	दो में से एक प्रश्न	1x5= 5
घटक –III	(क)	4 में से 2 की व्याख्या	2x5= 10
	(ख)	8 में से 5 निर्वचन	5x1= 5
घटक –IV	(क)	2 में से 1 मंत्र की व्याख्या	5x1= 05
	(ख)	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1x10= 10

अनुशंसित ग्रन्थ–

1. ऋक् सूक्त संग्रह – कृष्ण कुमार एवं हरिदत शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार–मेरठ
2. यास्क प्रणीतं निरूक्तम्– कपिल देव शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. ईश्सावास्योपनिशद्– (शांकर भाष्य) गीता प्रैस, गोरखपुर
4. ईशोपनिषद् – व्याख्याकार प्रे. आद्याप्रसाद मिश्रा, अक्षयवंट प्रकाषन, इलाहाबाद

July 04, 2017

132 –

3

M.A I Sem.

Paper-2nd(CC)

व्याकरण

समय : 3 घण्टे Marks : 70

घटक –I लघुसिद्धान्तकौमुदी : संज्ञा, संन्धि

घटक –II लघुसिद्धान्तकौमुदी : अजन्त सुबन्त

पु0– राम, सर्व, विश्वपा, हरि, सखि, सुधी, शम्भु, गो, रै

स्त्री0– रमा, सर्व, मति, स्त्री, धेनु

नपु0– ज्ञान, वारि, दधि, सुधी

घटक –III लघुसिद्धान्तकौमुदी : हलन्त सुबन्त

पु0– विश्ववाह्, चतुर, किम्, इदम्, तत्, राजन्, पथिन्, यश्मद, अस्मद्, विद्वस, अदस्

स्त्री0– चतुर, किम्, इदम्, अदस्, तत्

नपु0–तत्, किम्, इदम्

घटक –IV लघुसिद्धान्तकौमुदी : समास (अव्ययीभाव, तत्पुरूष, द्वन्द्व, बहुव्रीहि)

दिशानिर्देश :

नोट– कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच का उत्तर देना होगा।

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक –I (क)	8 में से 4 रूपों की सिद्धि		4x2.5=	10
	(ख)	4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2x2.5=	05
घटक –II	(क)	8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4x2.5=	10
	(ख)	4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2x2.5=	05
घटक –III	(क)	8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4x2.5=	10
	(ख)	4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2x2.5=	05
घटक –IV	(क)	8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4x2.5=	10
	(ख)	4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2x2.5=	05

अनुशंसित ग्रन्थ–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – धरानन्द शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – महेशसिंह कुशवाहा
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – ईश्वर सिंह
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – डॉ0 सत्यपाल सिंह

July 04 2017

M.A I Sem.

Paper-3rd(CC)

सांख्य एवं न्याय

समय : 3 घण्टे Marks : 70

घटक –I सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण (1–26 कारिका)

घटक –II सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण (27–72 कारिका)

घटक –III तर्कभाषा, केशवमिश्र (प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण तक)

घटक –IV तर्कभाषा, केशवमिश्र (अनुमान प्रमाण से प्रामाण्यवाद तक)

दिशानिर्देश :

नोट – कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न लघूत्तर होगा जिसके अन्तर्गत आठ लघूत्तर प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछें जायेंगे जिनमें से पाँच का उत्तर देना होगा।

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक –I (क)	4 में से 2कारिकाओं की व्याख्या		2x5=	10
	(ख)	दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	1x5=	05
घटक –II	(क)	चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	2x5=	10
	(ख)	दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	1x5=	05
घटक –III	(क)	4 में से 2 संदर्भों की व्याख्या	2x5=	10
	(ख)	2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न	1x5=	05
घटक –IV	(क)	4 में से 2संदर्भों की व्याख्या	2x5=	10
	(ख)	2 में से 1सैद्धान्तिक प्रश्न	1x5=	05

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. सांख्यकारिका, व्याख्या – गजानन शास्त्री मुसलगांवकर
2. सांख्यकारिका, व्याख्या – रामकृष्ण आचार्य
3. सांख्यकारिका, व्याख्या – ब्रजमोहन चतुर्वेदी
4. सांख्यकारिका, व्याख्या – एच0 एस0 विल्सन (English Translation)
5. सांख्यसिद्धान्त – आचार्य उदयवीर शास्त्री
6. सांख्यदर्षन का इतिहास – आचार्य उदयवीर शास्त्री
7. तर्कभाषा – व्याख्या, डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री
8. तर्कभाषा – व्याख्या, आचार्य विश्वेश्वर
9. तर्कभाषा – व्याख्या, बद्रीनाथ शुक्ल
10. भारतीय न्यायशास्त्र : एक अध्ययन – ब्रह्ममित्र अवस्थी
11. भारतीय दर्शन – राधाकृष्णनन्
12. Classical Samkhya – G.J. Larson

July 04, 2017

M.A I Sem.

Paper – 4th(CC)

पद्यसाहित्य

समय : 3 घण्टे Marks : 70

घटक –I मेघदूतम् – कालिदास (पूर्वमेघ)

घटक –II कुमारसम्भवम् (पं†चम सर्ग)

घटक –III शिशुपालवधम् – माघ (प्रथम सर्ग)

घटक –IV बुद्धचरितम् – अश्वघोष (तृतीय सर्ग)

दिशानिर्देश :

नोट – कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न लघूत्तर होगा जिसके अन्तर्गत आठ लघूत्तर प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जावेंगे जिनमें से पाँच का उत्तर देना होगा। 10

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक –I (क)	4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या		2x5=	10
	(ख)	2 में से 1समीक्षात्मक प्रश्न	1x5=	05
घटक –II	(क)	4 में से 2श्लोकों की व्याख्या	2x5=	10
	(ख)	2 में से 1समीक्षात्मक प्रश्न	1x5=	05
घटक –III	(क)	4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2x5=	10
	(ख)	2 में से 1 प्रश्न	1x5=	05
घटक –IV	(क)	4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2x5=	10
	(ख)	2 में से 1 प्रश्न	1x5=	05

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. मेघदूत, व्याख्याकार – एम0 आर0 काले, मोतीलाल बनारसीदास
2. मेघदूत, व्याख्याकार – एस0 के0 डे0, साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. मेघदूत, व्याख्याकार – शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
4. शिशुपालवधम्, व्याख्याकार – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
5. बुद्धचरितम्– व्याख्याकार श्री रामचन्द्र शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. कुमारसम्भवम् – संस्कृत – हिन्दी व्याख्याकार नेमिचन्द्र शास्त्री मोतीलाल बनारसीदास

July 04, 2017

M.A I Sem.

Paper – 5th(CC)

भाषाविज्ञान

समय : 3 घण्टे

Marks : 70

घटक –I भाषा तथा भाषाविज्ञान का परिचय, विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक, परिवारमूलक)

घटक –II भारोपीय परिवार का परिचय, इण्डो ईरानियनशाखा का परिचय, संस्कृत, पालि प्राकृत एवं अपभ्रंश का उद्भव, विकास तथा तुलनात्मक अध्ययन

घटक –III ध्वनि एवं पद विज्ञान – उच्चारण अवयव, उनके कार्य, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशा, ध्वनि नियम, पद का स्वरूप, पद तथा शब्द में अन्तर, पद के भेद, पद परिवर्तन के कारण तथा दिशाएं

दिशानिर्देश :

नोट –कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न लघूत्तर होगा जिसके अन्तर्गत आठ लघूत्तर प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच का उत्तर देना होगा। 10

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक –I दो में से एक प्रश्न 15

घटक –II दो में से एक प्रश्न 15

घटक –III दो में से एक प्रश्न 15

घटक –IV दो में से एक प्रश्न 15

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषाविज्ञान, डॉ0 कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, भोलाशंकर व्यास
4. पदपदार्थ समीक्षा, डॉ0 बलदेवसिंह, कुरूक्षेत्र विष्वविद्यालय प्रकाशन
5. A manual of Sanskrit phonetics by C. Uhlenbeck
6. Linguistic Introduction to Sanskrit by B.K. Ghosh
7. An Introduction to comparative philology by P.D. Gune
8. Sanskrit language, T.Burrow
9- Language, its nature, development and origin, O. Jesperson

July 04, 2017

M.A I Sem.

Paper – 6th (A) (CEC-1)

व्याकरण वर्ग

व्याकरणशास्त्र का इतिहास

समय : 3 घण्टे Marks : 70

घटक –I शिक्षा, निरूक्त, प्रातिशाख्य

घटक –II पाणिनीय परम्परा

घटक –III पाणिनीयेतर परम्परा

घटक –IV नव्य व्याकरण और व्याकरण दर्षन

दिशानिर्देश :

नोट – कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न लघूत्तर होगा जिसके अन्तर्गत आठ लघूत्तर प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच का उत्तर देना होगा। 10

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक –I दो में से एक प्रश्न 15

घटक –II दो में से एक प्रश्न 15

घटक –III दो में से एक प्रश्न 15

घटक –IV दो में से एक प्रश्न 15

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. व्याकरण शास्त्र का इतिहास (भाग 1–3)–युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ (सोनीपत)
2. व्याकरण शास्त्र का इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण)– युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ (सोनीपत)
3. संस्कृत व्याकरण का इतिहास – सत्यकाम वर्मा
4. संस्कृत व्याकरण की रूपरेखा – डॉ, यज्ञवीर दहिया, ईस्टर्न बुक लिकर्स, दिल्ली
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
6. व्याकरण दर्षन – रामसुरेश त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन

July 04, 2012

M.A I Sem.

Paper – 6th (B) (CEC-2)

लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे

Marks : 70

घटक –I महाकाव्य (अश्वघोष से श्रीहर्ष तक)

घटक –II (क) गद्य साहित्य (आर्यशूर से अम्बिकादत्त व्यास तक)

(ख) कथा साहित्य (विष्णुशर्मा से सोमदेव तक)

घटक –III नाट्य साहित्य – (भास से भट्टनारायण तक)

घटक –IV अन्य काव्य विधाएँ (खण्ड काव्य, गीति काव्य, मुक्तक काव्य, स्तोत्र काव्य एवं चम्पू काव्य – कालिदास से जगन्नाथ तक)

दिशानिर्देश :

नोट – कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न लघूत्तर होगा जिसके अन्तर्गत आठ लघूत्तर प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच का उत्तर देना होगा। 10

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक –I दो में से एक प्रश्न 15

घटक –II दो में से एक प्रश्न 15

घटक –III दो में से एक प्रश्न 15

घटक –IV दो में से एक प्रश्न 15

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – एस0 के0 डे
3. History of Sanskrit Literature – M. Krishnammachari

July 07, 2017

188

9